नवभारत
| संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी | प्रेरणा स्त्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी |

भारतीय अर्थव्यवस्था की रफ्तार

इंटरनेशनल मोनेटरी फंड के नवीनतम अनुमानों ने एक बार फिर साफ कर दिया है कि वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच भी भारतीय अर्थव्यवस्था दुनिया की सबसे तेज़ रफ्तार इंजन बनी हुई है. वित्त वर्ष 2025-26 के लिए इंटरनेशनल मानेटरी फंड ने भारत की जीडीपी वृद्धि दर 6.6 फीसदी रहने का अनुमान दिया है. यह आंकड़ा दिखाता है कि अंतरराष्ट्रीय बाजारों में गिरावट, उच्च ब्याज दरें और भू-राजनीतिक तनाव जैसे दबावों के बावजूद भारत एक स्थिर और आत्मविश्वासी अर्थव्यवस्था की तरह आगे बढ़ रहा है. दरअसल, भारत की ग्रोथ कहानी का पहला आधार है मजबूत घरेलू मांग.

देश का विशाल मध्यम वर्ग, बढ़ती क्रय शक्ति और सरकार का बुनियादी ढांचे पर लगातार बढ़ता पूंजीगत व्यय,इन सबने आंतरिक खपत को मजबूती दी है. यही कारण है कि भारत की अर्थव्यवस्था बाहरी झटकों से तुरंत नहीं हिलती.देश की ग्रोथ निर्यात पर निर्भर होने के बजाय घरेलू मांग और निवेश पर टिकती है.

यह मॉडल वैश्विक मंदी के दौर में भारत को सहारा देता है और आर्थिक गतिविधियों का आधार मजबूत रखता है. आईएमएफ ने खासतौर पर जीएसटी सुधार को भारत की आर्थिक गति के पीछे महत्वपूर्ण कारण माना है. अप्रत्यक्ष कर व्यवस्था में एकरूपता आने से न सिर्फ कारोबार में पारदर्शिता बढ़ी है, बल्कि औपचारिक अर्थव्यवस्था का दायरा भी बड़ा हुआ है.इसके साथ ही कॉर्पोरेट टैक्स में कटौती और डिजिटलीकरण ने निवेश और उत्पादन दोनों को गति दी है. वैश्विक अर्थव्यवस्था में प्रतिस्पर्धा बढ़ाने के लिए इन सुधारों की भूमिका निर्णायक रही है. हालांकि चुनौतियां भी कम नहीं हैं. आईएमएफ ने संकेत दिया है कि अमेरिका सहित कई देशों द्वारा लगाए गए उच्च टैरिफ का असर भारत के निर्यात पर पड़ सकता है.

अंतरराष्ट्रीय बाजारों में मांग घटने और व्यापारिक तनाव बढ़ने से वैश्विक व्यापार की रफ्तार धीमी है. लेकिन भारत की अर्थव्यवस्था का संरचना-आधारित लचीलापन इस प्रभाव को काफी हद तक सोख लेता है. आईएमएफ का मानना है कि सुधारों के चलते बढ़ी दक्षता इन टैरिफ झटकों को बेअसर करने में मदद करेगी. बड़ा सवाल यह है कि क्या 6.6 फीसदी की विकास दर भारत को उसके दीर्घकालिक लक्ष्यों तक पहुंचाने के लिए पर्याप्त है. आईएमएफ का इस पर सीधा जवाब है कि नहीं. भारत की महत्वाकांक्षा एक उन्नत अर्थव्यवस्था बनने की है. इसके लिए लगातार ऊंची और समावेशी ग्रोथ दर की जरूरत है. इसके लिए आईएमएफ ने तीन बड़े क्षेत्रों पर ध्यान देने की सलाह दी है. पहला, श्रम सुधार. रोजगार सृजन तभी तेज हो सकता है जब श्रम कानून सरल और आधुनिक हों तथा उद्योगों को लचीलापन मिले. दूसरा, शिक्षा और स्वास्थ्य में भारी निवेश. मजबूत मानव पूंजी के बिना उच्च विकास टिकाऊ नहीं हो सकता. तीसरा, जलवायु परिवर्तन और हरित ऊर्जा को केंद्र में रखते हुए सतत विकास के रास्ते पर तेजी से आगे बढ़ना.

कुल मिलाकर अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष की यह रिपोर्ट यह बताती है कि भारत आज मजबूत आधार पर खड़ा है और वैश्विक अस्थिरताओं में भी आत्मविश्वास से आगे बढ़ रहा है. लेकिन यह भी उतना ही स्पष्ट है कि आने वाले दशक में भारत को विकास की गति बढ़ाने, सुधारों को गहराने और मानव संसाधन को मजबूत करने की जरूरत होगी. भारत की दिशा सही है,अब चुनौती है गति बनाए रखने और उसे और तेज करने की.

वोटों के लिए न निकालें बोतल से बाबरी का जिन्न

टीएमसी भड़काने का काम न करे

बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में देर रात बाबरी मस्जिद के शिलान्यास के पोस्टर लगे देखे गए और इनकी तस्वीरों के सोशल मीडिया में आते ही देश के कई इलाकों में साम्प्रदायिक तनाव का माहौल बनने लगा है. इन पोस्टर्स पर लिखा है- 6 दिसंबर 2025 को बेलडांगा में बाबरी मस्जिद का शिलान्यास होगा इस कार्यक्रम का आयोजनकर्ता तृणमूल कांग्रेस के विधायक हुमायूं कबीर को बताया गया है.

भाजपा नेता विनय कटियार ने कहा कि कहीं भी बाबर के नाम पर मस्जिद बनेगी, तो हम उसे उखाड़ फेकेंगे. जाहिर है एक तरफ बाबर के नाम पर बाबरी मस्जिद बनाए जाने की जिद और दूसरी तरफ ऐसी किसी भी हरकत को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा, जैसी धमकियों के बाद लोगों का भावनाओं में बहना स्वाभाविक है. इसका असर नेताओं पर कुछ नहीं होगा, लेकिन आम लोगों को इसकी बहुत कीमत चुकानी पड़ेगी. आगामी विधानसभा चुनाव में अपनी जीत पक्की करने के लिए टीएमसी आग में घी डालने की कोशिश कर रही है.

टीएमसी के विधायक हुमायूं कबीर का यह बयान तब सामने आया, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राम मंदिर के शिखर पर ध्वजा रोहण करके औपचारिक रूप से राम मंदिर निर्माण पूरा होने की घोषणा कर रहे थे. आगामी विधानसभा चुनाव में टीएमसी को भाजपा से कड़ी टक्कर मिलने की आशंका है. पिछली बार मुख्यमंत्री ममता बनर्जी भाजपा की तमाम कोशिशों पर भारी पड़ी थीं, लेकिन इस बार ऐसा होने की संभावना नहीं लगती, क्योंकि बंगाल लगातार पीछे जा रहा है.

एक समुदाय का वोट पाने के लिए पूरे देश को साम्प्रदायिकता की आग में झोंकना अक्लमंदी नहीं होगी, केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने टीएमसी विधायक के बयान पर कहा है कि अगर टीएमसी ऐसी कोई हरकत करेगी, तो इसका मतलब यह होगा कि वह बंगाल में कोई मस्जिद नहीं, बल्कि एक नए बांग्लादेश की नींव रख रही है. ये दोनों ऐसे भड़काऊ बयान हैं जिस पर आज नहीं तो कल दोनों समुदाय की गोलबंदी तय है, जो देश के लिए बहुत बड़ी क्षति होगी. इसलिए यह सिर्फ भाजपा या टीएमसी के लिए ही नहीं देशभर के नेताओं के लिए सही समय पर संयम बरतने का वक्त है.

अगर सिर्फ अपनी राजनीति के लिए आम लोगों की धार्मिक भावनाओं को भड़काया गया, तो देश दशकों पीछे चला जाएगा. टीएमसी के बाद अब कांग्रेस नेता उदित राज भी बढ़-चढ़कर हुमायूं कबीर का समर्थन कर रहे हैं. कह रहे हैं अगर मंदिर का शिलान्यास हो सकता है, तो मस्जिद का क्यों नहीं? उदित राज को यह बात समझ में नहीं आ रही कि यह सिर्फ मस्जिद के शिलान्यास की बात नहीं है, यह हिंदुस्तान पर आतताई हमला करने वाले बाबर के नाम की बात है. इससे सिर्फ टीएमसी को ही फायदा नहीं होगा, इससे टीएमसी से ज्यादा फायदा भाजपा का हो सकता है.

महाराष्ट्र के कांग्रेस नेता हुसैन दलवई ने कहा है कि मस्जिद बनाना ठीक है. लेकिन खास तौर पर बाबरी मस्जिद ही क्यों? पहले भी बाबरी मस्जिद के कारण हिंदू और मुसलमानों में अलगाव रहा है. दर्जनों बार दंगे हुए हैं. दोनों ही समुदायों को इससे बहुत नुकसान हुआ है और जब देश की सर्वोच्च अदालत ने तर्कों से परे जाकर भावनाओं के आधार पर राम मंदिर निर्माण के लिए रास्ता प्रशस्त कर दिया, तो मुस्लिम समुदाय ने सहिष्णुता दिखाते हुए इसका विरोध नहीं किया. यहां तक कि राम मंदिर बन जाने और उसके तमाम भव्य आयोजनों को लेकर भी मुस्लिम समुदाय ने कभी गलतबयानी नहीं की. लेकिन राजनीतिक फसल काटने के लिए टीएमसी जिस रास्ते पर आगे बढ़ रही है, वह रास्ता देश के गरीब लोगों को न सिर्फ संकट में डालेगा बल्कि उन्हें दशकों पीछे कर देगा. इसलिए राजनेताओं को अक्ल आए और वे महज वोटों के लिए बोतल से 'बाबरी मस्जिद का जिन्न' बाहर न निकालें.

-वीना गौतम

महाकौशल की डायरी

पूर्व प्रदेश अध्यक्ष के जरिए की जा रहीं सिफारिशें...

अविनाश दीक्षित

संगठन में शामिल होने का संघर्ष और अपने-अपने चहेतों के नामों को कार्यकारिणी में महत्वपूर्ण पदों पर सुशोभित कराने की जंग फिलहाल भारतीय जनता पार्टी के खेमे में देखी जा रही है. राजनैतिक गलियारों के सूत्रों की माने तो सिफारिशों का दौर अब नए प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल के पास सीधे नहीं बल्कि पूर्व भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के जरिए पहुंचाया जा रहा है. जिससे कहीं न कहीं गोटी सटीक फिट बैठ जाए.

फिलहाल तो किसी के नाम पर सहमति बनाना और किसी नाम को हटवाने की कवायद के कारण ही भाजपा की नई कार्यकारिणी घोषित नहीं हो पा रही है.राजनैतिक विश्लेषकों की माने तो भाजपा की नई कार्यकारिणी के नाम के ऐलान में कुछ नामों में सहमति तो बन गई है लेकिन कुछ पदों के नाम को लेकर विरोध के स्वर बुलंद होते जा रहे हैं जिसका मूल कारण व्यक्तिगत, सामाजिक, जातिगत, क्षेत्रवाद गिनाया जा रहा है.

उधर शहर में संगठन के भीतर ऐसे बहुत से पदाधिकारी व नेता अभी भी नई कार्यकारिणी में नाम शामिल किए जाने की चाह लेकर दृष्टि टिकाए बैठे हैं जिनका 9 वर्ष से अधिक का कार्यकाल भी पूरा हो चुका है.

चर्चाएं तो ये भी हैं कि पूर्व भाजपा अध्यक्ष प्रभात साहू भी इसी तरह की खींचातानी के चक्कर में अपनी कार्यकारिणी घोषित नहीं कर पाए थे. ऐसे में कयास ये भी लगाए जाने लगे हैं कि कहीं चहेतों को उपकृत कराने के चक्कर में भाजपा की नई कार्यकारिणी का ऐलान दूर की कौड़ी ना बन जाए.

फर्जी हाजिरी के भुगतान के खुलासे ने उड़ाई नींद....

रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय एक बार फिर से सुर्खियों में आया.. इस बार वजह जो सामने आई वो काफी चौंकाने वाली रही है. विवि में गेस्ट फैकल्टी की मौजूदगी और भुगतान को लेकर एक बड़ा फर्जीवाड़ा सामने आया है. ऑडिट विभाग ने जांच की तो इसका खुलासा हुआ जिसमें पता चला कि कई विजिटिंग फैकल्टी एक ही समय में अलग-अलग जगह उपस्थित दिखाई दिए. हैरानी की बात यह थी कि जिन शिक्षकों ने एक स्थान पर परीक्षा ली, उन्हें उसी समय दूसरी जगह की उपस्थिति भी दर्ज कर दी गई. इस दोहरी मौजूदगी के आधार पर उनका महीनों तक भुगतान भी जारी रहा. हालांकि खुलासा होने के बाद भुगतान पर तत्काल रोक लगा दी गई और विश्वविद्यालय प्रशासन से जवाब तलब किया गया. इधर विवि के ऐसे अधिकारी-कर्मचारियों की नींद उड़ाकर रख दी है जो कि इस बड़े फर्जीवाड़े में शामिल हैं. इसमें कौन कौन शामिल है इसका तो पता आने वाले दिनों में पता चल जाएगा. लेकिन फर्जीवाड़े की इस हद से विवि प्रशासन को एक बार फिर से कटघरे में लाकर खड़ा कर दिया है. इतने बड़े मुद्दे को लेकर अभी तक विश्वविद्यालय के कुलगुरू डॉ. राजेश वर्मा के द्वारा अभी तक कोई बयान नहीं देना तमाम सवाल खड़े कर रहा है. चर्चाएं हैं कि आरडीवीवी के अंदर ही कुछ कर्मचारियों की मिलीभगत से ये खेल खेला गया है. उधर ऑडिट करने वाली टीम ये पता लगाने में जुटी है कि विवि में आखिर ये फर्जीवाड़ा कितने समय से चल रहा था और इस तरह कितने की क्षति विवि प्रशासन को जालसाजों ने पहुंचाई है. खबर है कि ऑडिट विभाग की टीम अब विवि के जिम्मेदार अधिकारियों को भी शिकंजे में कसने वाली है जिसके तहत विवि के सभी विभागों की उपस्थिति व भुगतान रजिस्टर की दोबारा जांचने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है.

नक्सलियों की चाल से सतर्क रहें

जिस हिडमा जैसे दुर्दांत नक्सली कमांडर ने कितने ही सुरक्षा बल के जवानों की हत्या की उसके बारे में कहते हैं कि वह तो आत्मसमर्पण करने जा रहा था लेकिन उसे पुलिस ने मार डाला. किसी भी हालत में नक्सलियों को कोई रियायत नहीं दी जा सकती.

जब नक्सलयों को लगता है कि वह बुरी तरह घिर गए हैं और उनकी खैर नहीं है, तब वह चालबाजी पर उतर आते हैं. उन्होंने महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश व छत्तीसगढ़ की सरकारों से मांग की है कि उन्हें हथियार डालने के लिए फरवरी 2026 तक का समय दिया जाए, इसके पहले भी वह ऐसा तरीका अपना चुके हैं. वह चाहते हैं कि उसके झांसे में आकर सरकार ऑपरेशन ग्रीन हंट पर विराम लगा दें ताकि वह फिर से खुद को संगठित या एकजुट कर किसी बड़े हमले की साजिश कर सकें. अभी वह अपने ठिकानों में बाहर निकलने की स्थिति में नहीं हैं, क्योंकि सुरक्षा बलों ने जबरदस्त नाकाबंदी कर रखी है और यदि उन्होंने मुठभेड़ की तो हिडमा जैसे छलनी कर दिए जाएंगे. अर्बन नक्सली भी कम नहीं हैं जो उनका बचाव करते हैं. यह सफेदपोश अराजक तत्व हैं जो नक्सलियों की हिंसा को बढ़ावा देते आए हैं. जिस हिडमा जैसे दुर्दांत नक्सली कमांडर ने कितने ही सुरक्षा बल के जवानों की हत्या की उसके बारे में कहते हैं कि वह तो आत्मसमर्पण करने जा रहा था लेकिन उसे पुलिस ने मार डाला. किसी भी हालत में नक्सलियों को कोई रियायत नहीं दी जा सकती. केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने देश से नक्सलवाद उन्मूलन के लिए 31 मार्च 2026 की अंतिम समयसीमा तय कर रखी है. नक्सलियों को तत्काल हथियार डालने होंगे अन्यथा उनका बच पाना मुश्किल है. सरकार व सुरक्षा बल निर्णायक ढंग से काम कर रहे हैं. यदि नक्सली हिंसा त्याग कर मुख्य धारा में आना चाहते हैं तो उन्हें समय मांगने की जरूरत क्या है? माओवादियों की कमर टूट चुकी है. ये अराजक व हिंसक तत्व समझ लें कि सरकार देश से नक्सलवाद का काला अध्याय समाप्त करने के लिए कोई कसर बाकी नहीं रखेगी.

संपादकीय बोर्ड | प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्वेदी

निशानेबाज

राज्यों में एसआई आर का बड़ा असर विपक्ष को लगता उससे डर

पड़ोसी ने हमसे कहा, 'निशानेबाज, हमें 'सर' से बड़ा डर लग रहा है. सर के दबाव की वजह से देश में कितने ही बीएलओ की जान चली गई है. सर से कोई कैसे बचे? वह किसी भी राज्य में टपक पड़ता है.'

हमने कहा, 'जब आप स्कूल में पढ़ते थे तब बच्चे अपने टीचर यानी 'सर' से डरा करते थे क्योंकि होमवर्क नहीं करने पर वह पनिशमेंट देता था. 40-50 साल पहले सर की छड़ी और उनके गुस्से से विद्यार्थी कांपते थे. अब भी कुछ लोग अपने खड़ूस बॉस से डरते हैं जिसे वह 'सर' कहते हैं. ऐसे सर का हुक्म नहीं माना तो समझो नौकरी गई. सर का असर जबरदस्त होता है. इसलिए कभी बेसर-पैर की बात मत कीजिए. कहावत याद रखिए- सर बड़ा सरदार की, पैर बड़ा गंवार का! कुछ महत्वपूर्ण बातें सर के ऊपर से गुजर जाती हैं इसलिए हमेशा एकाग्र व सतर्क रहिए. सर जो भी कहें, पूरे ध्यान से सुनिए.'

पड़ोसी ने कहा, 'निशानेबाज, आप सर का मतलब नहीं समझ रहे हैं. पुराने बादशाह किसी पर खफा होते ही आदेश देते थे- सैनिकों, इस गुस्ताख का सर कलम कर दो! इस समय सर का अर्थ है वोटरलिस्ट से बोगस मतदाताओं का नाम काटना ! इसे स्पेशल इन्टेंसिव रिवीजन कहते हैं. शुद्ध हिंदी में इसे कहेंगे- विशेष गहन पुनरीक्षण. इसमें बूथ स्तरीय अधिकारी या बीएलओ घर-घर पहुंचकर मतदाता सूची से उन लोगों के नाम निकाल देते हैं जो या तो मर चुके हैं या जिनका नाम 2 या अधिक बार सूची में दर्ज है. मतलब डेड व डुप्लीकेट दोनों के नाम हटाए जाते हैं. बिहार विधानसभा चुनाव के पूर्व ऐसे 65 लाख घोस्ट नेम या भूतों के नाम हटाए गए. विपक्ष का कहना है कि यह मनमानी है. जानबूझकर उसके समर्थक वोटरों के नाम हटाए गए और एनडीए समर्थकों के नाम जोड़े गए. विपक्ष इसे चुनाव आयोग और बीजेपी की मिलीभगत बताता है और कहता है कि घुसपैठिया बताकर मतदाताओं के नाम काटे जा रहे हैं.'

हमने कहा, 'सर कहो या सिर, सारी अक्ल उसी में रहती है. चुनाव जीतने के लिए इसी अक्ल का इस्तेमाल किया जाता है. जहां है सर, वहां बीजेपी का असर.'

शब्द-सागर : डॉ. सागर खादीवाला

CROSS WORD 12094

-डॉ. सागर खादीवाला

1	2	3		4	■	■	5
6			■	7		8	
■	9			■	■	10	
11			■	12	13		
	■	■	14			■	■
15	16			■	17		18
19		■	20	21		■	
	■	22			■	23	

बाएं से दाएं

1. बिना सोचे-समझे किसी बात का निश्चय या विश्वास 6. तड़कने की क्रिया या भाव, तड़कने के कारण पड़ने वाला चिन्ह 7. पवित्र या धार्मिक स्थानों में दर्शन स्नानादि के लिए जाना 9. धैर्य, संतोष, वादा, प्रतिज्ञा (उर्दू) 10. पिता का भाई, चाचा 11. आग, अग्नि 12. इन्कम टैक्स 14. न होना, कमी 15. फैलाना 17. देश से बाहर भेजा जाने वाला माल 19. समय, इतिहास का कोई बड़ा काल जिसमें एक ही प्रकार की घटनाएं होती रही हों 20. दचकने की क्रिया या भाव 22. जहर, विष 23. तंबाकू का पत्ता जिसे चूने के साथ मलकर खाते हैं

ऊपर से नीचे

1. समाप्ति, मृत्यु, छोर 2. हृदय का स्पंदन 3. भीषण, भयानक, डरावना 4. पति की मृत देह के साथ जल मरने वाली स्त्री 5. पत्र व्यवहार 8. मांगनेवाला 11. जो उपयुक्त अथवा योग्य न हो 12. दमक, चमक 13. नाटक का पर्दा (सं.) 14. निरादर, अवज्ञा, अपमान 16. शाक, भाजी, तरकारी 18. नाव, नौका 21. अस्थिर, चंचल, चलायमान

Solution 12093

सं	पा	द	क	■	मु	का	म
दे	र	■	ठि	ठ	क	ना	■
ह	द	र	ना	■	र	■	ह
■	र्श	■	ई	छ	ना	■	ल
र	क	म	■	र	■	स	वा
णां	■	नि	का	ह	ना	मा	■
ग	द	हा	■	रा	ज	धा	नी
ण	■	र	क्षा	■	■	न	र

ज्योतिषाचार्य प्रियंका नारायणशंकर व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

आज जिनका जन्मदिन है

वर्ष के प्रारंभ में नई योजनाओं का शुभारंभ होगा, सांसारिक सुखों की वृद्धि होगी, वर्ष के मध्य में पारिवारिक सुख अच्छा रहेगा, व्यापार व्यवसाय में सुधार होगा, वर्ष के मध्य में पारिवारिक सुख अच्छा रहेगा, व्यापार में सुधार होगा, वर्ष के अन्त में उतावलीपन में लिये गये निर्णय से हानि होगी, शत्रु पक्ष प्रबल रहेगा, अत्याधिक परिश्रम से मन व्यथित रहेगा.

मेष और वृश्चिक राशि के व्यक्तियों को शत्रु पक्ष प्रबल रहेगा, वृष और तुला राशि के व्यक्तियों को अत्याधिक परिश्रम सें मन दुखी होगा, कर्क और सिंह राशि केव्यक्तियों को उतावलेपन में लिये गये निर्णय में सुधार होगा, धनु और मीन राशि के व्यक्तियों को कार्यो में वृद्धि होगी, मकर और कुंभ राशि के व्यक्तियों को पारिवारिक जीवन में सफ्लता मिलेगी, मिथुन और कन्या राशि के व्यक्तियों कोसावधानी पूर्वक कार्यो में लगना होगा.

आज जन्मे शिशु का भविष्य

आज जन्म लिया बालक गौरवर्ण का दुबला पतला, माता पिता का आदर करने वाला होगा. नौकरी एवं व्यवसाय दोनों में अच्छी तरह तरक्की करेगा, गणित एवं विज्ञान के क्षेत्र में अच्छी उन्नति होगी, अपने कार्य में दूसरों का हस्तक्षेप पसंद नहीं करेगा.

उदयकालीन ग्रह चाल

पंचांग

रा.मि. 07 संवत् 2082 मार्गशीर्ष शुक्ल अष्टमीं भृगुवासरे शाम 6/45, शतभिषा नक्षत्रे रात 10/27, व्याघात योगे प्रातः 8/0 तदुपिर हर्षण योगे रातअंत 6/4, विष्टि करणे सू.उ. 6/42, सू.अ. 5/18, चन्द्रचार कुम्भ, शु.रा. 11,1,2,5,6,8 अ.रा. 12,3,4,7,9,10 शुभांक- 4,6,0.

व्यापार भविष्य

मार्गशीर्ष शुक्ल अष्टमीं को शतभिषा नक्षत्र के प्रभाव से सोना, चांदी, के भाव में मंदी की चाल चलेगी, तिल, सरसों, जौ, गुड़, खांड़, चना आदि में मंदी होकर अचानक तेजी होगी. भाग्यांक 3695 है.

मेष- निजी कार्य को टालने से समस्या बढ़ेगी, झगड़ों से परेशान होकर काम छोड़ने का मन बनेगा, कार्यसिद्धि के लिये दौड़धूप करना होगी, मित्रों का सहयोग मिलेगा.

वृषभ- कैरियर की सफ्लता के लिये सही समय का इंजतार करें, धार्मिक कार्यो पर रूचि रहेगी, शारीरिक कष्ट से छुटकारा मिलेगा, पुराना पैसा प्राप्त होगा.

मिथुन- टालमटोल के चलते कामकाज में परेशानी होगी, बुजुर्गो का दिशा निर्देश लाभकारी रहेगा, सावधानी रखकर कार्य करें, लापरवाही करने पर नुकसान हो सकता है.

कर्क- मांगलिक कार्य संभव है, कार्यक्षेत्र में अपमान हो सकता है, संतान पक्ष को सफ्लता मिलेगी, सहयोग लाभकारी रहेगा, सामाजिक कार्यो में लगाव रहेगा.

सिंह- कामकाज के सिलसिले में यात्रा हो सकती है, वैभव विलासिता के कार्यो में खर्च होगा, बिगड़े कार्यो में सुधार होगा, रोजगार के कार्यो में वृद्धि होगी.

कन्या- मित्रों के साथ मौजमस्ती में समय व्यतीत होगा, आकस्मिक लाभ संभव है, मानसिक शांति मिलेगी, शादी विवाह के कार्यो में सफ्लता का योग है.

तुला- नजदीकी लोगों के कारण भागदौड़ बढ़ सकती है, आप जोखिम उठाने के लिये तैयार रहेंगे, आय के साधनों में वृद्धि होगी, रोजगार आदि की प्राप्ति होगी.

वृश्चिक- आप जैसा चाहेंगे, वैसा हो पाना मुश्किल है, विरोधी वर्ग प्रबल होगा, भागदौड़ अधिक करनी होगी. अनावश्यक विवादों को टालना हितकर रहेगा.

धनु- घरेलू आयोजन में बढ़ चढ़कर हिस्सा लेंगे, पुराने पेंडिंग कार्य पूरे होंगे, माता पिता की आशाओं की पूर्ति होगी, व्यापार की स्थिति संतोषजनक रहेगी.

मकर- कानूनी मामले आपसी बातचीत से सुलझेंगे, कामकाज में परिवार का सहयोग रहेगा, समय को देखकर कार्य करें, अधिनस्थ लोगों का विरोध बढ़ सकता है.

कुम्भ- बड़ी जिम्मेदारी पूरी होने से प्रसन्नता होगी, पुराना कर्ज चुकता होने की संभावना है, शुभ समाचार मिलेगा, कार्यक्षेत्र में वृद्धि होगी, वाणी प्रभावशाली रहेगी.

मीन- नए सौदे लाभकारी रहेंगे, दौड़धूप से रूका कार्य अच्छी तरह बन जायेगा, भूमि भवन संबंधी मामलों में विजय मिलेगी, वाहन का सुख मिलेगा.

SUDOKU 7226

3	9			1	4			2
1	2		6		3		5	
		5		8	7			9
	7			6	9			8
2	1			5			4	6
4			3	2			9	
9			8	4		5		
	6		9		5		2	4
8			1	7			6	3

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है. इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है. आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 333 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें. ■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते. ■ पहेली का केवल एक ही हल है.

नवभारत सु-दोकू 7225

6	9	2	3	7	4	5	8	1
3	8	5	6	2	1	7	4	9
7	4	1	8	9	5	6	2	3
2	3	9	5	4	6	8	1	7
1	7	4	9	8	3	2	6	5
5	6	8	7	1	2	9	3	4
4	5	7	1	6	8	3	9	2
8	2	3	4	5	9	1	7	6
9	1	6	2	3	7	4	5	8